

उत्तराखण्ड में वनाग्नि के कारण हवाई सेवा बाधति

चर्चा में क्यों?

???????? की आग के धुएँ के कारण [????-???? ????????????](#) पर दृश्यता कम होने के कारण सीमावर्ती ज़िले के पथौरागढ़ और मुनस्यारी कस्बों के लिये हवाई सेवाएँ रोक दी गईं।

?????? ??????:

- हवाई अड्डे के आस-पास दृश्यता 1000 मीटर से कम थी, जबकि????? ?????????? ?? सुरक्षति रूप से संचालति करने के लिये ?????????? 5000 ?????? ?????????? ?? ?????????? होती है।
 - सौर घाटी के अलावा चंपावत की क्वीराला घाटी और लोहाघाट, झूलाघाट एवं गौरीहाट के वनों में भी आग फैल रही है।
 - ज़िले के वभिन्न स्थानों में सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्वास्थ्य पेशेवरों के अनुसार, साँस लेने में कठनाई तथा आँखों में जलन की चिताओं के साथ बड़ी संख्या में मरीज़ अस्पतालों में आ रहे हैं।
- नैनी-सैनी हवाई अड्डा जिसे अन्यथा पथौरागढ़ हवाई पट्टी भी कहा जाता है, पथौरागढ़, उत्तराखण्ड में स्थति है। हवाई पट्टी का वर्ष 1991 में आधिकारिक उपयोग के लिये नरिमाण कराया गया था और डोरनियर 228 की फ्लाईंग मशीन के संचालन के लिये तैयार की गई थी।